कान्हा बंसी की धुन जो सुनाए लिरिक्स

कान्हा बंसी की धुन जो सुनाए,
kanha bansi ki dhun jo sunaye lyrics

दोहा – मुरलीधर की जादुई धुन से,
बच ना पाए कोई,
रात ढलन को आई फिर भी,
अखियां नाही सोई।

कान्हा बंसी की धुन जो सुनाए,
ब्रज चौरासी कोस सभी की,
सुधबुध खो सी जाए,
कान्हा बंसी की धुन जो सुनाये,
कान्हा मुरली की धुन जो सुनाये।bd।

तर्ज – तोरा मन दर्पण कहलाए।

मोर कोयलिया चरती गैया,
वृन्दावन मंडराए,
क्या जाने कब कुन्ज गलिन में,
छलिया के दर्शन पाए,
एक झलक तेरी पाकर मन की,
कलियाँ सब खिल जाए,
कान्हा बंसी की धुन जो सुनाये,
कान्हा मुरली की धुन जो सुनाये।bd।

बंसीवट भी तोहे पुकारे,
आजा प्रीतम प्यारे,
सखियों के संग रास रचाने,
आ जमना के किनारे,
बरसाने से राधा रानी,
भागी दौड़ी आए,
कान्हा बंसी की धुन जो सुनाये,
कान्हा मुरली की धुन जो सुनाये।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इंटरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

श्यामा से मिलने आए,
प्रेम गान में डूब के दोनों,
मोहक रास रचाए,
पर अद्भुत लीला को कोई,
प्राणी देख ना पाए,
Bhajan Diary Lyrics,
कान्हा बंसी की धुन जो सुनाये,
कान्हा मुरली की धुन जो सुनाये।bd।

कान्हा बंसी की धुन जो सुनाये,
ब्रज चौरासी कोस सभी की,
सुधबुध खो सी जाए,
कान्हा बंसी की धुन जो सुनाये,
कान्हा मुरली की धुन जो सुनाये।bd।

Singer – Sapna Vishwakarma

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com